

छत्तीसगढ़ द्वारा वन पारस्थितिकी तंत्र को ग्रीन GDP से जोड़ना

प्रलिस के लयः

[सकल घरेलू उत्पाद](#), [ग्रीन GDP](#), [भारत वन स्थितिरिपोरट 2023](#), [सतत विकास लक्ष्य](#), [पर्यावरण-आर्थिक लेखांकन प्रणाली](#), [वशिव बैंक](#), [मुदा अपरदन](#)

मेन्स के लयः

हरति सकल घरेलू उत्पाद, सतत विकास और आर्थिक संवृद्धि, पर्यावरण अर्थशास्त्र, भारत की वानिकी एवं पर्यावरण नीतयिं

[स्रोत: द न्यू इंडयिन एक्सप्रेस](#)

चर्चा में क्यो?

छत्तीसगढ़ भारत का ऐसा पहला राज्य बन गया है जसिने अपने वन पारस्थितिकी तंत्र को [हरति सकल घरेलू उत्पाद](#) से जोड़ा है।

- इस दृष्टिकोण से वनों के आर्थिक एवं पर्यावरणीय मूल्यों के साथ जैवविधिता संरक्षण एवं जलवायु परिवर्तन शमन के महत्त्व पर प्रकाश पड़ता है।
- यह पहल आर्थिक विकास को बढ़ावा देते हुए [सतत विकास](#) प्राप्त करने के व्यापक लक्ष्य के अनुरूप है।

हरति सकल घरेलू उत्पाद (ग्रीन GDP) क्या है?

- **पारंपरिक GDP:** यह कसिी देश की सीमाओं के अंदर उत्पादति वस्तुओं एवं सेवाओं के वार्षिक मूल्य का माप है। [GDP](#) वर्ष 1944 से वैश्विक मानक के रूप में स्थापति है।
 - GDP की संकल्पना देने वाले अर्थशास्त्री साइमन कुज़नेट्स ने कहा कि [GDP](#) से कसिी देश के वास्तविक कल्याण का संकेत नहीं मलिता है क्योकि इसमें पर्यावरणीय स्वास्थ्य तथा सामाजिक कल्याण जैसे कारकों की अनदेखी होती है।
- **ग्रीन GDP:** यह पारंपरिक GDP का संशोधति संस्करण है जसिके तहत आर्थिक गतिविधयिं की पर्यावरणीय लागतों को ध्यान में रखा जाना शामिल है।
 - इसके तहत आर्थिक उत्पादन के क्रम में प्राकृतिक संसाधनों में होने वाली कमी, पर्यावरणीय क्षरण तथा प्रदूषण जैसे कारकों को शामिल कयिा जाता है, जसिसे कसिी देश की वास्तविक संपदा के संदर्भ में अधिक व्यापक दृष्टिकोण मलिता है।
- **ग्रीन GDP की आवश्यकता:** पारंपरिक GDP में धारणीयता, पर्यावरण क्षरण और सामाजिक कल्याण को नज़रअंदाज कयिा जाता है। इसमें पर्यावरण पर दीर्घकालिक परिणामों के संदर्भ में वचिार कयिे बिना केवल आर्थिक उत्पादन पर ध्यान केंद्रति कयिा जाता है।
 - दूसरी ओर, हरति सकल घरेलू उत्पाद (GDP) से यह सुनिश्चति होता है कि आर्थिक विकास धारणीय प्रथाओं के अनुरूप हो तथा पर्यावरणीय क्षति एवं प्राकृतिक संसाधनों की कमी की वास्तविक लागत को प्रतबिबिति कयिा जा सके।
- **फॉर्मूला:**
 - वशिव बैंक के अनुसार, $\text{ग्रीन GDP} = \text{NDP (शुद्ध घरेलू उत्पाद)} - (\text{प्राकृतिक संसाधन ह्रास की लागत} + \text{पारस्थितिकी तंत्र क्षरण की लागत})$ ।
 - जहाँ एनडीपी = GDP - उत्पादति परसिंपत्तयिं का मूल्यह्रास।
 - प्राकृतिक संसाधन ह्रास की लागत से तात्पर्य प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक उपयोग के कारण होने वाली मूल्य हानि से है।
 - पारस्थितिकी तंत्र क्षरण की लागत से तात्पर्य प्रदूषण एवं वनों की कटाई जैसे पर्यावरणीय कारकों से होने वाली हानि से है।

GDP और उससे संबंधित पद



सकल घरेलू उत्पाद (GDP):

- एक वर्ष में किसी देश के भीतर उत्पादित सभी तैयार वस्तुओं/सेवाओं का कुल मौद्रिक मूल्य
- GDP की गणना करने के 3 तरीके - व्यय, उत्पादन, आय विधि
- यह किसी देश की अर्थव्यवस्था/विकास दर का अनुमान लगाने के लिये एक आर्थिक संकेतक प्रदान करता है
- GDP किसी देश के समग्र जीवन स्तर/कल्याण की सटीक माप नहीं है
- $GDP = \text{उपभोग की गई वस्तुएँ और सेवाएँ (C)} + \text{निवेश (I)} + \text{सरकारी व्यय (G)} + (\text{निर्यात (X)} - \text{आयात (M)})$

GDP	किसी देश की भौतिक सीमाओं के भीतर आर्थिक गतिविधि को मापता है उत्पादक देशी या विदेशी स्वामित्व वाली संस्थाएँ हो सकती हैं
GNP	किसी देश के मूल निवासी लोगों/निगमों के समग्र उत्पादन को मापता है इसमें विदेश में स्थित (मूल निवासियों द्वारा) निर्माता शामिल हैं, लेकिन विदेशी स्वामित्व वाले घरेलू निर्माता शामिल नहीं हैं
GNI	किसी देश के नागरिकों द्वारा अर्जित सभी आय का योग (घरेलू + विदेश) $GNI = \text{घरेलू आय} + \text{अप्रत्यक्ष व्यापार कर} + \text{मूल्यहास} + \text{शुद्ध विदेशी कारक आय}$

**नाममात्र
GDP
(NGDP)**

- मौजूदा कीमतों पर GDP
- इसमें मुद्रास्फीति/बढ़ती कीमतें शामिल हैं
- इसे उत्पादन की विभिन्न विमाहियों (एक ही वर्ष में) की तुलना करने के लिये उपयोग किया जाता है

**वास्तविक
GDP
(RGDP)**

- मुद्रास्फीति-समायोजित GDP
- NGDP की तुलना में किसी अर्थव्यवस्था के उत्पादन का अधिक सटीक प्रतिनिधित्व
- 2 या अधिक वर्षों की GDP की तुलना करने के लिये उपयोग किया जाता है
- GDP मूल्य अवस्फीतिकारक का उपयोग करके गणना की जाती है -
($RGDP = NGDP \div \text{GDP अवस्फीतिकारक}$)

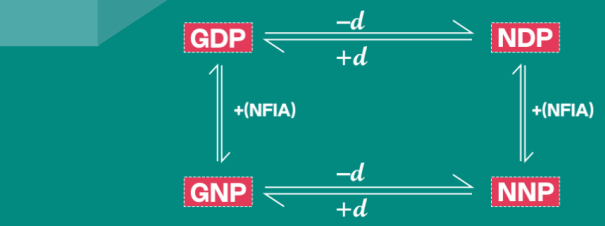
$GDP \text{ मूल्य अवस्फीतिकारक} = (NGDP \div RGDP) * 100$

उदाहरण: एक ऐसे देश पर विचार करते हैं जो केवल ब्रेड का उत्पादन करता है

वर्ष 2021: इसने 10 रुपये (प्रति) की कीमत पर 100 यूनिट ब्रेड का उत्पादन किया
अतः वर्तमान मूल्य पर $GDP = 1000$ रुपये

वर्ष 2022: इसने 15 रुपये (प्रति) की कीमत पर 110 यूनिट ब्रेड का उत्पादन किया
अतः वर्तमान मूल्य पर $GDP = 1650$ रुपये

वर्ष 2022 के लिये $RGDP$ (आधार वर्ष - 2021) = 110×10 रुपये = 1,100 रुपये
यहाँ GDP डिफ्लेटर होगा - $1,650 \div 1,100 = 1.50$ (या 150%)



d = मूल्यहास
NFA = विदेश से शुद्ध कारक आय
GNP = सकल राष्ट्रीय उत्पाद
NDP = सकल घरेलू उत्पाद

- **कारक लागत (FC)** = किसी वस्तु के निर्माण में लगने वाले इनपुट का कुल मूल्य
- **बाज़ार मूल्य (MP)** = कारक लागत + अप्रत्यक्ष कर - सस्मिडी
- **FC पर GDP** = MP पर GDP + सस्मिडी - अप्रत्यक्ष कर
- **MP पर GDP** = $GVA \times MP$
- MP पर GDP भारत में GDP का माप है
- **सकल मूल्य वर्द्धन (GVA)** = $GDP + \text{उत्पादों पर सस्मिडी} - \text{उत्पादों पर कर}$



//

नोट: वर्ष 2024 में उत्तराखण्ड, **सकल पर्यावरण उत्पाद (GEP) सूचकांक** शुरू करने वाला वशिव स्तर पर **पहला राज्य** बन गया। इस सूचकांक में पारंपरिक पारस्थितिकी तंत्र सेवाओं से परे पर्यावरण में कथि जाने वाले योगदान को भी मापा जाना शामिल है।

- **GEP सूचकांक में वृक्ष प्रजातियों के मूल्य, उत्तरजीवित्ता दर तथा संरक्षण पर्यासों** जैसे कारकों को शामिल किया जाता है, जिससे पारस्थितिकी तंत्र के विकास का आकलन करने के क्रम में एक व्यापक दृष्टिकोण मलित्ता है।

छत्तीसगढ द्वारा वन पारस्थितिकी तंत्र को ग्रीन GDP से जोडने के क्या नहितार्थ है?

- **छत्तीसगढ में वनों की भूमिका:** **भारत वन सथति रिपोर्ट, 2023** के अनुसार, छत्तीसगढ के वन क्षेत्र में सबसे अधिक वृद्धि (683.62 वर्ग कर्मी) दर्ज की गई।
 - राज्य का कुल वन क्षेत्र इसके **भौगोलिक क्षेत्रफल की तुलना में 44.2%** है जो **कार्बन डाइऑक्साइड** को अवशोषित करने में प्रमुख

भूमिका नभाने के साथ जलवायु परिवर्तन शमन में प्रमुख योगदान देता है।

- छत्तीसगढ़ के प्राकृतिक संसाधन **लाखों लोगों की आजीविका** का आधार हैं तथा **तेंदू पत्ता, लाख, शहद एवं औषधीय पौधे** जैसे वन उत्पाद **ग्रामीण अर्थव्यवस्था** के लिये महत्त्वपूर्ण हैं।
- छत्तीसगढ़ के वन स्थानीय जनजातीय परंपराओं एवं सांस्कृतिक वरिष्ठ के संरक्षण के लिये महत्त्वपूर्ण हैं **जहाँसरना और मंदार जैसे पवित्तिर वनों को** दैवीय स्थल के रूप में पूजा जाता है।
- **वनों को हरति सकल घरेलू उत्पाद (GDP) से जोड़ने के नहितिारथ:** इस दृष्टिकोण से वनों के आर्थिक और पारस्थितिक मूल्य पर प्रकाश पड़ता है तथा विकास एवं स्थिरता के बीच संतुलन को बढ़ावा मलित है।
 - प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण को प्राथमकता देने के साथ राज्य का लक्ष्य भावी पीढ़ियों के लिये पर्यावरण केदीर्घकालिक स्वास्थ्य को सुनिश्चित करना है।

ग्रीन GDP से सतत् विकास को कसि प्रकार बढ़ावा मलित है?

- **संसाधनों का सतत् उपयोग:** पर्यावरणीय क्षतिको ध्यान में रखते हुए, ग्रीन GDP से अधिक सतत् उत्पादन एवं उपभोग पैटर्न को प्रोत्साहन मलिते के साथ **SDG 12 (जमिमेदार उपभोग और उत्पादन)** को महत्त्व मलित है।
 - **हरति सकल घरेलू उत्पाद (GDP) के तहत आर्थिक उत्पादन को अधिकतम** करने के साथ प्राकृतिक पूंजी के संरक्षण पर बल दिया जाता है।
- **जलवायु परिवर्तन शमन:** हरति GDP के अंतर्गत **जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता** में कमी लाने के साथ **नवीकरणीय ऊर्जा** को अपनाने को महत्त्व दिया जाता है, जो **SDG 13 (जलवायु कार्रवाई)** के अनुरूप है।
- **जैवविविधता संरक्षण:** ग्रीन GDP पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के साथ पारस्थितिकी तंत्र एवं प्रजातियों की सुरक्षा पर केंद्रित है, जो **SDG 15 (भूमिपर जीवन)** और **SDG 14 (जल के नीचे जीवन)** के अनुरूप है।
 - इससे नीति निर्माताओं को ऐसे नयिम बनाने का प्रोत्साहन मलित है जिससे आर्थिक विकास को पारस्थितिकी स्थिरता के साथ संतुलित कया जा सके।
- **हरति नविश को प्रोत्साहन:** हरति GDP से धारणीय प्रौद्योगिकियों एवं प्रथाओं में नविश को बढ़ावा मलिते के साथ **हरति क्षेत्र से संबंधित रोजगार और उद्योगों** को बढ़ावा मलित है।
 - इसके तहत पर्यावरणीय स्वास्थ्य को प्राथमकता देने के साथ समावेशी, सतत् आर्थिक विकास को बढ़ावा दिया जाना शामिल है, जो **SDG 8 (समानजनक रोजगार और आर्थिक विकास)** के अनुरूप है।

ग्रीन GDP से संबंधित वैश्विक प्रथाएँ

- **संयुक्त राष्ट्र:** **संयुक्त राष्ट्र** द्वारा विकसित **पर्यावरण-आर्थिक लेखांकन प्रणाली (SEEA)** के तहत **आर्थिक एवं पर्यावरणीय आँकड़ों** को एकीकृत कया जाना शामिल है ताकि **अर्थव्यवस्था एवं पर्यावरण** के बीच अंतरसंबंधों का एक व्यापक दृष्टिकोण प्रस्तुत करने के साथ पर्यावरणीय परसिंपत्तियों और मानवता के लिये उनके लाभों पर ध्यान केंद्रित कया जा सके।
- **यूरोपीय संघ:** **यूरोपीय संघ की GDP से परे पहल** के तहत **आर्थिक आकलन में धारणीयता मैट्रिक्स** को एकीकृत कया जाना शामिल है, जिसके तहत ग्रह के दीर्घकालिक स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित कया जाता है।
- **वशिव बैंक:** **संपत्तिलेखांकन एवं पारस्थितिकी तंत्र सेवाओं का मूल्यांकन (WAVES)** एक **वशिव बैंक** के नेतृत्व वाली प्रणाली है जो विकास योजनाओं में प्राकृतिक संसाधन लेखांकन को एकीकृत करने के साथ सतत् विकास को बढ़ावा देने पर केंद्रित है।
- **भूटान:** **भूटान द्वारा सकल राष्ट्रीय खुशहाली (GNH)** रूपरेखा के तहत पारस्थितिकी स्थिरता को अपनी विकास नीतियों के मूल में रखा जाना शामिल है।
- **अन्य देश:** **चीन, नॉर्वे एवं अमेरिका** ने पर्यावरणीय लागतों को अपने राष्ट्रीय लेखांकन में शामिल करने संबंधी प्रयोग कया है।

ग्रीन GDP फ्रेमवर्क के समकष क्या चुनौतियाँ हैं?

- **वनावरण की परभाषा:** **भारत वन स्थिति रिपोर्ट (ISFR)** के अंतर्गत "वन" शब्द में **पाम ऑयल और रबर** जैसे बागान शामिल हैं, जो पर्यावरण के लिये हानिकारक हो सकते हैं तथा प्राकृतिक वनों के समान पारस्थितिकी लाभ प्रदान नहीं कर सकते हैं।
 - **उदाहरण:** **पाम ऑयल और रबर बागान** द्वारा अक्सर प्राकृतिक वनों का स्थान ले लिया जाता है जिससे **जैवविविधता की हानि एवं मृदा कषरण** के साथ पर्यावरणीय व्यवधान उत्पन्न होते हैं।
 - ग्रीन GDP गणना में वृक्षारोपण को वन मान लेने से **राज्य के पारस्थितिकी स्वास्थ्य की भ्रामक तस्वीर** प्रस्तुत हो सकती है।
 - **राजनीतिक एजेंडा:** यदि **वन क्षेत्र को वतितपोषण का मानदंड** बना दिया जाता है तो कम पारस्थितिकी वन मूल्य वाले राज्य अनुदान प्राप्त करने के क्रम में **आँकड़ों में हेरफेर** कर सकते हैं।
- **स्थानीय नकियों का एकीकरण:** स्थानीय नकियों (जैसे पंचायतों) को **हरति GDP ढाँचे में शामिल करना** चुनौतीपूर्ण है क्योंकि **जिमीनी स्तर पर राजनेताओं में जागरूकता और साक्षरता** की कमी है।
- **लाभों के संबंध में स्पष्टता का अभाव:** ग्रीन GDP लेखांकन के वतिततीय लाभों (कयिह स्थानीय समुदायों, जैसे जनजातियों एवं वनवासियों कसि प्रकार मलिंगे, जिन्होंने पारंपरिक रूप से पीढ़ियों से वनों को संरक्षित कया है) के संबंध में स्पष्टता का अभाव है।
- **पद्धतगत अंतर:** ग्रीन GDP की गणना के लिये कोई एकल, सार्वभौमिक रूप से स्वीकृत वधि नहीं है, जिससे वभिन्न देशों के बीच तुलना करना कठिन हो जाता है।

- पर्यावरणीय लागतों एवं सेवाओं का मूल्यांकन एक जटिल प्रक्रिया है तथा यह स्थानीय परिस्थितियों और प्राथमिकताओं के आधार पर भिन्न हो सकती है।

आगे की राह

- **एक स्पष्ट मानक ढाँचा:** सरकारों को हरति सकल घरेलू उत्पाद की गणना के लिये एक सुसंगत एवं पारदर्शी पद्धति अपनाने की आवश्यकता है, जिससे पर्यावरणीय सेवाओं तथा लागतों में स्पष्टता सुनिश्चित हो सके।
- **सार्वजनिक नगिरानी:** हेरफेर से बचने के लिये, डेटा पारदर्शी होना चाहिये और विश्लेषकों एवं आलोचकों के परीक्षण हेतु उपलब्ध होना चाहिये।
- **मात्रा की अपेक्षा गुणवत्ता को प्राथमिकता देना:** बेहतर कार्बन पृथक्करण और जैवविविधता संरक्षण के लिये स्थानीय वनों तथा पारस्थितिकी प्रणालियों को प्रबंधित करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिये।
- **जन जागरूकता:** ग्रीन GDP के लाभों के बारे में समुदायों को शिक्षित करना चाहिये। वन संरक्षण के लिये **स्थानीय समुदायों** को प्रोत्साहित करने से न्यायसंगत तथा प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित होता है।

प्रश्न: ग्रीन GDP के बारे में बताइये। सतत विकास को बढ़ावा देने में भारत जैसे देशों के लिये यह क्यों महत्वपूर्ण है?

प्रश्न: ग्रीन GDP के बारे में बताइये। सतत विकास को बढ़ावा देने में भारत जैसे देशों के लिये यह क्यों महत्वपूर्ण है?

यूपीएससी सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न (PYQs)

प्रश्न: वर्ष 2015 से पहले और वर्ष 2015 के बाद भारत के सकल घरेलू उत्पाद (2021) की गणना पद्धति के बीच अंतर स्पष्ट कीजिये। (2021)

प्रश्न: वर्ष 2015 से पहले और वर्ष 2015 के बाद भारत के सकल घरेलू उत्पाद (2021) की गणना पद्धति के बीच अंतर स्पष्ट कीजिये। (2021)

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/chhattisgarh-links-forest-ecosystem-to-green-gdp>

